

एसएमएस अस्पताल लापरवाही का मामला उच्च स्तरीय जांच समिति का गठन

गर्भवती को चढ़ाया गया गलत ब्लड ग्रुप, चिकित्सा मंत्री ने बुलाई आपात बैठक

जयपुर। प्रदेश के सबसे बड़े सर्वाई मानसिंह अस्पताल में चिकित्सा लापरवाही का सनसनीखेज मामले में चिकित्सा विभाग में हड़कंप मचा दिया है। एसएमएस की जांच कमेटी ने अपनी जांच में माना है कि लापरवाही के चलते टोंक निवाई से भर्ती एक गर्भवती महिला को इलाज के दौरान गलत ब्लड ग्रुप चढ़ा दिया गया था, वहीं दूसरी ओर अस्पताल प्रशासन अभी इस पर अड़ा हुआ है कि महिला की स्थिति पहले से ही नाजुक थी, जिसके कारण उसकी मौत हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर ने शनिवार को

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में उच्च स्तरीय बैठक बुलाई। बैठक के बाद मंत्री ने पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय जांच समिति के गठन की घोषणा की, जो तीन दिन में मामले को विस्तृत रिपोर्ट पेश करेगी। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री खींवर ने कहा है कि इस संवेदनशील मामले में कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। दोषी पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि महिला 9 मई से एसएमएस अस्पताल में भर्ती थी। उसकी हालत पहले से ही गंभीर थी।

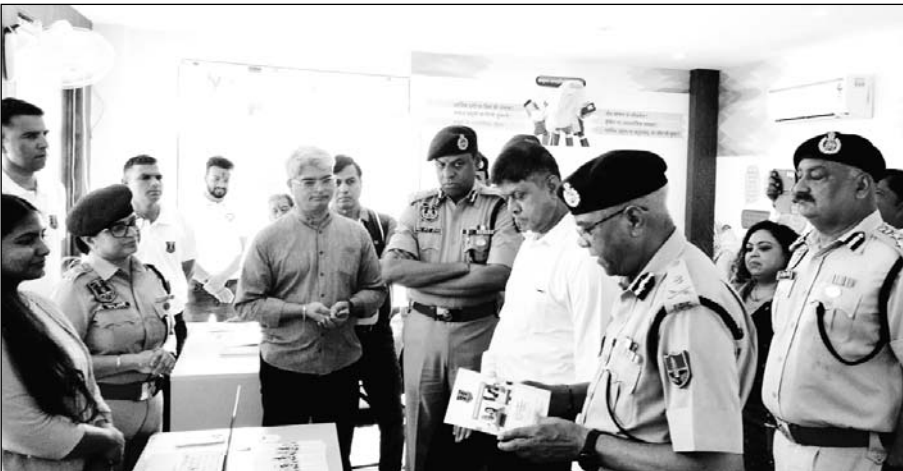
- तीन दिन में सौंपनी होगी रिपोर्ट, दोषियों पर होगी सख्त कार्रवाई
- अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हुई पुष्टि

हीमोग्लोबिन कम, ऑक्सीजन लेवल गिरा हुआ और कई बीमारियों से ग्रसित होने के कारण वेंटीलेटर पर डिलीवरी की गई। इस दौरान ब्लड ट्रांसफ्यूजन के दौरान गलत ब्लड ग्रुप चढ़ाया गया,

जिसकी पुष्टि खुद अस्पताल प्रशासन की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में हुई है। मंत्री खींवर ने स्पष्ट किया कि अस्पताल की ओर से पहले बनाई गई समिति की रिपोर्ट से संतुष्टि नहीं मिलने पर अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अतिरिक्त निदेशक मुकेश मीणा की अध्यक्षता में नई उच्च स्तरीय कमेटी बनाई गई है। इस समिति में एसएमएस पूर्व अधीक्षक डॉ. नरपत सिंह शेखावत, मेडिसिन विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर मेहता, एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, राजमेर की उप निदेशक डॉ. वंदना शर्मा शामिल है।

बैठक में चिकित्सा मंत्री ने सभी अधीक्षकों को निर्देशित किया कि आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर और क्रिटिकल केयर वार्ड में केवल प्रशिक्षित व अनुभवी स्टाफ को ही इयूटी पर लगाया जाए। इसके अलावा चिकित्सकों, नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ का नियमित प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। इस आपात बैठक में चिकित्सा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, आयुक्त इकबाल खान, प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी सहित चिकित्सा महकमे के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नरेट में साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत



साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू.आर.साहू और पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने साइबर सपोर्ट सेंटर की शुरुआत की।

- ऑनलाइन खतरों की बढ़ती चुनौतियों को निटपने के लिए बनाया सेंटर
- साइबर अपराध से सबसे अधिक दो चार हो रहे हैं बच्चे

जयपुर। साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने सहित ऑनलाइन खतरों की बढ़ती चुनौतियों को निटपने के लिए जयपुर पुलिस कमिश्नरेट कार्यालय में शनिवार से राजस्थान का पहला साइबर सपोर्ट सेंटर शुरू किया गया है। इस सेंटर में साइबर ठगी के शिकार हुए लोगों की मदद की जाएगी। वहीं साइबर अपराध से कई बार महिलाएं और बच्चे परेशान होकर अवसाद में चले जाते हैं। ऐसे में यह सेंटर इस तरह के पीड़ितों की काउंसिलिंग करने में मदद करेगा। साथ ही ट्रामा से बाहर निकालने में मददगार साबित होगा।

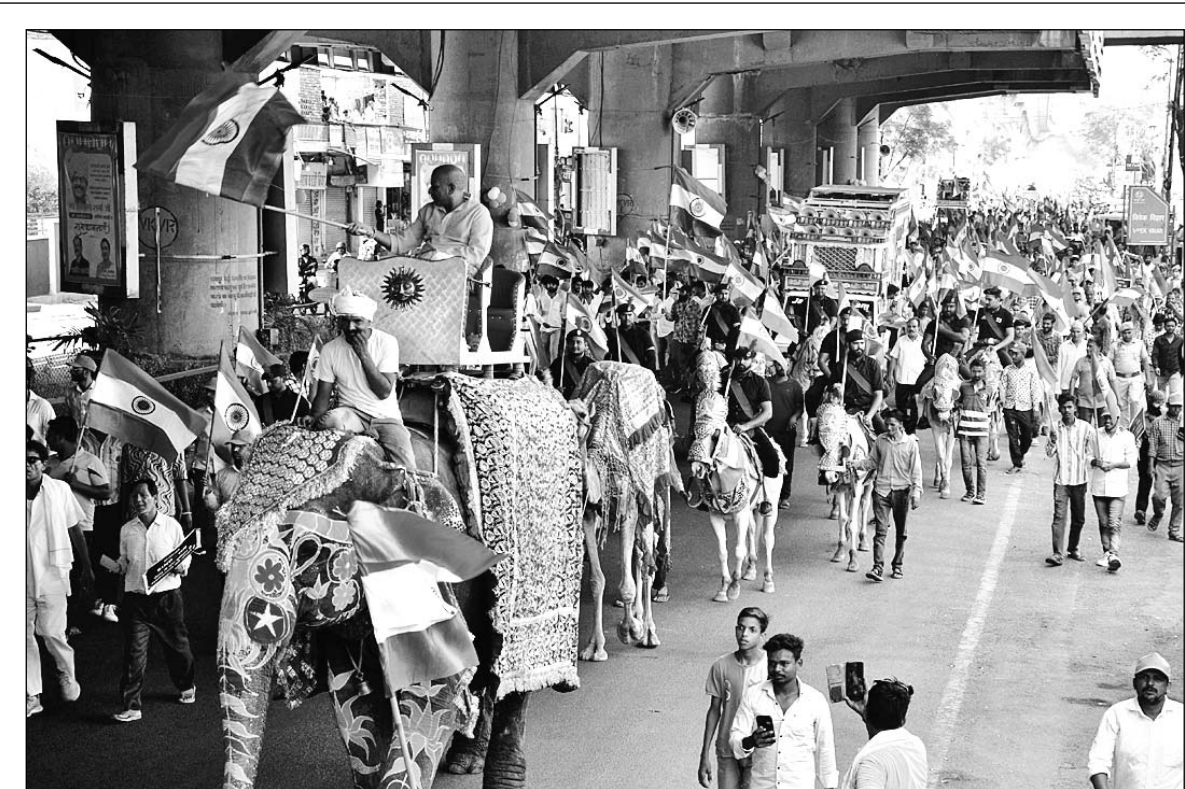
राजस्थान पुलिस महानिदेशक यू आर साहू, पुलिस महानिदेशक साइबर (अपराध) हेमंत प्रियदर्शी ने इस सेंटर की शुरुआत की है। यह सेंटर मुम्बई स्थित एनजीओ रेंसॉसिबल नेटिजन्स द्वारा संचालित किया जाएगा और कोगटा फाउंडेशन इसमें आर्थिक सहयोग करेगा। यह सेंटर ऑनलाइन ठगी के शिकार हुए लोगों को मुकाबला करने, साइबर अपराधों के पीड़ितों को तत्काल सहायता प्रदान करने और साइबर सेफ जयपुर अभियान के अंतर्गत साइबर वेल्नेस को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किया गया है।

साइबर क्राइम और उससे जुड़े आंकड़ों पर काम कर रही टीम ने बताया

कि साइबर स्पेस का उपयोग करने वाले तीन में से एक बच्चे को ऑनलाइन बुलिंग का सामना करना पड़ता है। 70 प्रतिशत बच्चों को साइबर खतरों का हर स्टेज पर सामना करना पड़ा है। साइबर अपराध के 30 प्रतिशत मामले महिलाओं को लक्षित करते हैं। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार फाइनेंस साइबर अपराध के मामलों में 24.5 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। अकेले साइबर धोखाधड़ी के कारण 2024 में 2054 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। राजस्थान में हर साल लगभग 3000 साइबर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। इनमें से 47.25 प्रतिशत पैसों से जुड़ा अपराध है। 30.16 प्रतिशत यूपीआई, घोटाले से सम्बन्धित है। 12 प्रतिशत सोशल मीडिया से सम्बन्धित है। 11 प्रतिशत यौन उत्पीड़न से

सम्बन्धित है। साइबर अपराधों में लोगों ने पिछले तीन साल में 1581 करोड़ रुपए गवा दिए। समय पर हस्तक्षेप के कारण पुलिस 676 करोड़ रुपए होल्ड करा सकी है। साइबर हेल्पलाइन पर साइबर स्टॉकिंग, साइबर बुलिंग और अन्य प्रकार से परेशान किया जाता है। विशेष रूप से महिलाओं के शिकार होने के बारे में हर दिन लगभग 10/15 कॉल आते हैं।

साइबर बुलिंग, टोलिंग, साइबर स्टॉकिंग, रिवेंज पोर्न और ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी सहित ऑनलाइन संकट के पीड़ितों को मुफ्त मनोवैज्ञानिक, कानूनी और तकनीकी सहायता प्रदान करना। शिक्षा, प्रशिक्षण और जागरूकता अभियानों के माध्यम से साइबर अपराधों के जोखिम को कम करने के लिए उपाय अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना। इंटरनेट की लत,ऑनलाइन उत्पीड़न या साइबर अपराधों के मनोवैज्ञानिक प्रभावों से पीड़ित व्यक्तियों के लिए उपचार की सेवा प्रदान करना। एक सुरक्षित डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी एजेंसियों, कानून प्रवर्तन और कॉर्पोरेट क्षेत्र के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से साइबर कल्याण की वकालत करना।



जयपुर में हाथों में तिरंगा थामे हजारों लोग गुर्जर की थड़ी चौराहे से बैकुंठनाथ मंदिर सोडाला तक चिलचिलाती धूप में पैदल चले। प्रचंड गर्मी के बावजूद वे पूरी ताकत से भारत माता की जय, हिंदुस्तान जिंदाबाद, वंदे मातरम के जयघोष लगाते हुए न्यू सांगानेर रोड की गुंजायमान कर रहे थे। यात्रा का नेतृत्व परमवीर चक्र विजेता बिगेडियर होशियार सिंह दहिया और मेजर शैलान सिंह के परिवार ने किया। यात्रा में डीजे पर बजते देश भक्ति तराने युवाओं में जोश और उत्साह का संचार करते हुए थिरकने को मजबूर कर रहे थे। वहीं, भारत माता, जम्मू-कश्मीर में बफीली पहाड़ियों पर सीमा की रक्षार्थ तैनात वीर जवानों और तोप की झांकियों लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं पर सख्त निगरानी, कोताही पर होगी सख्त कार्रवाई

जयपुर। राजस्थान सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर बड़ा फैसला लेते हुए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने साफ कहा है कि सेवाओं में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जरूरतमंदों को समय पर जांच, दवा और उपचार मिलना सुनिश्चित किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में सभी जिलों के चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच राजधानी से गांव-ढाणी तक मजबूत होनी चाहिए। लू-तापघात की स्थिति को देखते हुए तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के आदेश दिए गए हैं।

- प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं को 'पेशेंट फ्रेंडली' बनाने के निर्देश, लू-तापघात प्रबंधन पर विशेष जोर
- सिलिकोसिस पीड़ितों को मिले तत्काल राहत, फर्जीवाड़े पर कड़ी कार्रवाई

राठौड़ ने निर्देश दिए कि जांच, दवा, उपचार, उपकरणों की उपलब्धता और क्रियाशीलता की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। कोई भी मरीज जांच मशीनें खराब होने के कारण परेशान न हो, इसके लिए संस्थानों में समय पर मंटीनेंस कराया जाए। जांच मशीनें लंबे समय तक अक्रियाशील रहें तो संस्थान प्रभारी को जिम्मेदारी तय की जाएगी। स्टाफ की कमी होने पर सविदा पर भर्ती कर तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

प्रमुख शासन सचिव ने निरामय राजस्थान को मिशन मोड में चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 30 वर्ष से अधिक आयु के हर नागरिक की एनसीडी स्क्रीनिंग का लक्ष्य समय पर पूरा किया जाए। साथ ही टीबी मुक्त भारत अभियान को और अधिक गति देने की जरूरत बताई गई। सिलिकोसिस पीड़ितों को योजनाओं का लाभ देने में संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए

गए। लेकिन फर्जी दस्तावेज या जांच रिपोर्ट के जरिए लाभ उठाने वालों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई। राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों को फायर सेफ्टी ऑडिट तत्काल कराने, भवनों का समय-समय पर निरीक्षण करने और जरूरत पड़ने पर मरम्मत करवाने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर जांच अभियान चलाने और स्टूट फूड से लेकर बड़े खाद्य उत्पादकों तक की सख्त निगरानी का आदेश दिए गए हैं। दिव्यांगजन प्रमाण-पत्र के लंबित मामलों को तीन महीने में समाप्त करने की कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। कोई दिव्यांगजन प्रमाण के लिए चक्कर न काटे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया।

जोधपुर विश्वविद्यालय में पेंशनर्स को छह माह से पेंशन नहीं

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय पेंशनर्स एसोसिएशन (रूपा) कार्यकारिणी की आज आपातकालीन बैठक विश्वविद्यालय अतिथि गृह में आयोजित की गई, इस बैठक में राज्य पोषित विश्वविद्यालयों, विशेष रूप से जय नारायण विश्वविद्यालय जोधपुर में पिछले 6 माह से विश्वविद्यालय कर्मियों को पेंशन जारी नहीं किए जाने जैसे विषय की गंभीरता से जुड़े विभिन्न आयामों पर विस्तार से चर्चा की गई, वह चर्चा के बाद कार्यकारिणी से जुड़े सदस्यों ने सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया , कि इस गंभीर विषय के संबंध में राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट करने के उद्देश्य से एक विशाल धरना 26 मई को राजस्थान विश्वविद्यालय कुलपति सचिवालय के समक्ष आयोजित किया जाएगा। धरने में राजस्थान विश्वविद्यालय से जुड़े सभी पेंशनर्स भाग लेंगे। पेंशनर्स एसोसिएशन ने विश्वविद्यालय से जुड़े कर्मियों व सभी पेंशनर्स से यह आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस धरने में शामिल हो, जिससे इस स्थिति का भविष्य में किसी को भी सामना नहीं करना पड़े।

डबल स्टैंडर्ड की सरकार, जो पक्ष-विपक्ष के लिए चाहती है अलग कानून : डोटासरा

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कंवरलाल मीणा मामले में विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी और भजनलाल सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कंवरलाल मीणा की सदस्यता रद्द करने में आखिर 24 दिन की देरी क्यों की गई? इस मामले में जानबूझकर कानून का उल्लंघन किया गया है।

इसी के साथ भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता होने के बाद अब अंता विधानसभा क्षेत्र में होने वाले उपचुनाव को लेकर डोटासरा ने कहा कि अंता उपचुनाव में कांग्रेस की जीत होगी। पिछली बार ही चार से पांच हजार वोटों का अंतर था। जिस व्यक्ति पर 27 मुकदमे दर्ज हों, वहां भाजपा ने बूथ के चर्चरिंग की। कुछ लोगों ने डर की वजह से वोट दे दिए थे, लेकिन अब वहां कांग्रेस की जीत होगी। प्रदेश मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार और विधानसभा अध्यक्ष के फैसले से जनता में गलत संदेश गया है। ये कहते हैं कि हम डबल इंजन की सरकार हैं। यह डबल इंजन की नहीं, डबल स्टैंडर्ड की सरकार है जो अपने लिए अलग कानून चाहती है और विपक्ष के लिए अलग कानून चाहती है। जब राहुल गांधी की सदस्यता 24 घंटे के अंदर खत्म कर दी गई थी तो फिर भाजपा विधायक की सदस्यता रद्द करने में 24 दिन का समय क्यों लिया गया?

सतर्कता जरूरी, डर नहीं

विशेषज्ञों का कहना है कि अभी घबराने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। मास्क और सैनिटाइजर का फिर से उपयोग बढ़ाएं, भीड़भाड़ वाली जगहों में सावधानी बरतें।

ऐसे बड़े करोना के केस

मई में अब तक 10 नए करोना केस, जनवरी से अप्रैल तक केवल 2 केस, बीते 48 घंटे में 7 नए केस, 4 जोधपुर, 3 जयपुर के हैं।

इनका कहना है :

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवर ने बताया कि अभी तक किसी भी केस में घातक लक्षण सामने नहीं आए हैं। देशभर में पैनिक जैसी कोई स्थिति नहीं है। पर हमने सभी अस्पतालों को निर्देश दे दिए हैं कि यदि कोई संदिग्ध मरीज आता है, तो उसकी तुरंत जांच की जाए।

- ओमिक्रॉन का सब-वैरियंट-1 सक्रिय, चिकित्सा विभाग अलर्ट मोड पर

संक्रमितों में तीन बच्चे शामिल हैं, जिनकी उम्र 5 महीने से 12 साल के बीच है। चौथा मरीज 38 वर्षीय युवक है। वहीं, जयपुर में तीन नए केस सामने आए हैं।

वैरियंट की पहचान जरूरी

चिकित्सा विभाग ने सभी नए संक्रमितों के सैपल की जीनोम सीक्वेंसिंग शुरू कर दी है। विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल की हालिया बैठक में यह पुष्टि हुई है कि यह नया संक्रमण ओमिक्रॉन के सब-वैरियंट-1 से जुड़ा हो सकता है। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस वैरियंट से न तो अब तक किसी की मौत हुई है और न ही कोई गंभीर मामला रिपोर्ट हुआ है। मरीज साधारण दवाओं से ठीक हो सकते हैं।

अचानक बढ़े मामलों ने बढ़ाई चिंता

करोना के अचानक बढ़े मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। वर्ष 2025 के पहले चार महीनों में पूरे राज्य में केवल दो करोना पॉजिटिव केस सामने आए थे। मगर मई की शुरुआत से ही मामलों बढ़ने लगे हैं। खासकर बीते दो दिनों में संक्रमितों की संख्या में तीव्र उछाल देखा गया है। जोधपुर एएस में पाए गए चार

रात्रि चौपाल में आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हुआ



जिला कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर सांगानेर के अजयराजपुरा में शनिवार को रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।

काफी वर्षों से ग्रामीण लोग परेशान होते चले आ रहे थे। उक्त समस्याओं को मौके पर उपखण्ड अधिकारी हिमंत सिंह द्वारा सुना गया एवं 100 से अधिक धारा-136 के तहत शुद्ध प्रकरणों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। ग्राम अजयराजपुरा से आये काश्तकार गोपाल पुत्र मोहरिया का

जमाबंदी में नाम गलत नाम जिसे गोपाल पुत्र मोहरू कर तुरंत राहत प्रदान की साथ ही ग्राम जगन्नाथपुर के काश्तकार का नाम जमाबंदी में नाम सूरज करण पुत्र नाथू से सूरजमल पुत्र नाथुराम किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में रात्रि चौपाल को लेकर काफी हर्ष की लहर थी। रात्रि चौपाल में उपखण्ड अधिकारी

हिमंत सिंह के साथ उप तहसीलदार बगरू, पटवारी, गिरदावर व अन्य पटवारीगण की टीम उपस्थित रही। उक्त रात्रि चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण की श्रीमती विनीता सिंह (एडीएम प्रथम) द्वारा उपखण्ड अधिकारी व उनकी टीम की सराहना की।